दिनांक दिसंबर १, २०११.

प्रेसिडेंट ओबामा, चान्सेलर मरकेल, प्रधान मंत्री हार्पर, प्रधान मंत्री कैमेरोन, प्रेसिडेंट सार्कोजी, प्रधान मंत्री मोंटी, प्रधान मंत्री नोडा, प्रधान मंत्री पुतीन को संबोधित.

ग्लोबल फंड का संकट एड्स पीड़ितों के लिए मौत की घंटी

इस वर्ष के विश्व एड्स दिवस पर यह पत्र उन सभी जी–८ मेम्बर्स के लिए है जो महिला वर्ग, एड्स से पीड़ित महिलाओं के नेटवर्क, एवं ऐसे अन्य संगठनों से सम्बंधित हैं, जो एड्स, मलेरिया और टी.बी. से पीड़ित विश्व भर की महिलाओं के लिए कार्य कर रहे हैं. जी–८ के द्वारा हाल ही में घोषित बजट कटौती के समाचार ने हम सभी को क्षुब्द और आतंकित कर दिया है, जिसके चलते श्ग्लोबल फंड टू फाइट एड्स एंड मलेरियाश (दी ग्लोबल फंड) ने अपने ग्यारहवें रोग नियंत्रण निधिकरण आवर्तन को रद्द कर दिया है.

आप सबको यह तो विदित ही है कि एड्स, मलेरिया और टी.बी. की तीन जटिल बीमारियों से वैश्विक स्तर पर निपटने के लिए ग्लोबल फंड सबसे महत्वपूर्ण वित्तीय संस्थान है. पिछले जी–८ शिखर सम्मलेन में आपने २०१० तक जो ५० बिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता देने का वायदा किया था, वह पूरा न कर पाने के कारण ग्लोबल फंड के लिए अपने वर्तमान वित्तीय कार्यक्रमों को चला पाना ही मुश्किल होगा. इसके तहत एड्स के उपचार के लिए विश्व के ७६ लाख अन्य एड्स पीड़ित व्यक्तियों (जिनमें ५०ः महिलायें हैं) को तो इस कार्यक्रम में शामिल कर पाना असंभव ही होगा. विश्व भर की हम सभी महिलायें ही समाज का ताना बाना बुनती हैं—— घर के बाहर और भीतर काम करके, रोगियों की देखभाल करके, अपने परिवार और समुदाय को कार्यशील रख कर.

क्या आप चाहते हैं कि आर्थिक सहायता के अभाव में लाखों बच्चे मलेरिया से मर जाएँ, क्योंकि उनके पास मच्छर दानी खरीदने और अपना इलाज करवाने के लिए पैसे नहीं हैं? जी ८ के सदस्यों, इन बच्चों की देखभाल आपकी भी जिम्मेदारी हैं.

आपका यह क्रूर कथन कि हमारे पास आर्थिक संसाधनों की कमी है, बे बुनियाद है. केवल एक दिन के सैन्य बजट से ग्लोबल फंड की एक वर्ष की प्रतिबद्धता को पूरा किया जा सकता है, और यह हमारे जीवन में आशातीत परिवर्तन ला

सकता है. यह कैसा न्याय है, यह कैसी सोच है, कि लोगों की जानें लेने के लिए सैन्य शक्ति पर व्यय करने हेतु धन की कमी नहीं है, परन्तु जीवन बचाने के लिए पैसे नहीं हैं. अभी भी समय है सचेत होने का. ग्लोबल फंड अपने राउंड ११ के लिए प्रस्ताव २०१३ तक स्वीकार कर सकता है, जो २०१४–२०१६ के लिए मान्य होंगें. यदि आप उन्हें अतिरिक्त निधि उपलब्ध कराने के वायदे को पूरा कर दें तो लाखों जीवन बचाए जा सकते हैं.

जी ८ के सदस्यों से हमारी विनती है कि हम आपके देशों के निवासी, कर्मचारी, करदाता, व्यापारी और आपकी वित्तीय सहायता लाभान्वित होने वाले साधारण व्यक्ति हैं. हम विभिन्न कार्य क्षेत्रों से सम्बन्ध रखते हैं–– चाहे वो बस ड्राईवर हो, हलवाई हो, वकील हो, डाक्टर हो, राजनीतिज्ञ हो अथवा बच्चों की देखभाल करने वाली हो. हम ही आप को चुनते हैं. आप को हमारी आवाज सुननी ही पड़ेगी. हम सब एक मत और एक स्वर से आपसे अनुरोध करते हैं कि आप अपनी वचनबद्धता को पूरा करते हुए ग्लोबल फंड को आवश्यक निधि उपलब्ध करा कर हमारी महिलाओं तथा बच्चों को मौत के मुँह में जाने से रोकें.

भवदीय,